सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 59 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 3 अप्रैल, 2025
मूल्य ₹ 3/-

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
-सम्राट अशोक

गुजरात ने रोका आरसीबी का विजय... 7 | छोटे दलों के हाथ में होगी सत्ता... 3 | 'पार्ट टाइम' वालों को राजनीति... 2

मेरी राजनीतिक हत्या करवाना चाहती है सरकार : भूपेश बघेल

केन्द्रीय जांच एजेंसियों की रडार पर हैं छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम

» ऐसा ही सबकुछ कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के साथ भी हुआ था

» महादेव सट्टा ऐप में आरोपी बनाये गये भूपेश बघेल

» बघेल के करीबियों और ठिकानों पर लगातार हो रही है कार्रवाई

» राहुल गांधी की बेहद करीबी माने जाते हैं बघेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केन्द्रीय जांच एजेंसियों पर अपनी राजनीतिक हत्या करने का अरोप लगाया है। गौरतलब है कि बघेल पर पिछले कुछ समय से जांच एजेंसियो की भृकुटियां तनी हुई हैं। बघेल के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए जांच एजेंसियों ने उनके निजी सचिव के कई ठिकानों पर रेड की थी।

अभी हाल ही में बघेल के करीबियों और बेटे के आवासों पर भी एक साथ छापेमारे की गयी थी। बघेल की गिनती राहुल गांधी के करीबी लोगों में होती है। बघेल का नाम महादेव सट्टा एप घोटाले में सामने आ रहा है। कांग्रेस ने बघेल को पंजाब का प्रभारी बनाया है और प्रभारी बनते ही उन पर ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू हो गयी है।

गैम्बलिंग से संबंधित कोई कानून नहीं है

भूपेश बघेल ने कहा कि केंद्र सरकार के पास गैम्बलिंग से संबंधित कोई कानून नहीं है और न ही ऑनलाइन गैम्बलिंग के लिए कोई कानून मौजूद है। अब सवाल यह है कि यह ऐप वैध है या अवैध? अगर यह वैध है तो इसमें प्रोटेक्शन मनी की बात क्यों हो रही है? और अगर यह अवैध है तो फिर ऐप अब तक चल क्यों रहा है?

बघेल को अब सीबीआई ने बनाया आरोपी

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने महादेव सट्टेबाजी एप घोटाल में दर्ज की गई एफआईआर में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल को एक आरोपी के रूप में नामित किया है। सीबीआई ने कहा है कि बघेल घोटाले के लाभार्थियों में से एक है। इससे पहले, छत्तीसगढ़ पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की ओर से 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के इस घोटाले में दर्ज एफआईआर में बघेल का नाम शामिल था। ईओडब्ल्यू ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से इस मामले में दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग केस के आधार पर एफआईआर दर्ज की थी। बघेल को एफआईआर में 19 नामजद आरोपियों में से छठे आरोपी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

मैं डटा रहूंगा, लड़ता रहूंगा सत्य की लड़ाई : बघेल

भूपेश बघेल ने कहा कि वह इस मामले को लेकर घबराने वाले नहीं हैं और सत्य की लड़ाई लड़ते रहेंगे। हम छत्तीसगढ़ के मुद्दों को हाईलाइट कर रहे हैं, और इस तरह की कार्रवाई सिर्फ हमारी आवाज को दबाने की कोशिश है, लेकिन हम कभी भी अपने रास्ते से भटकने वाले नहीं हैं। हमारा रास्ता सत्य का है। बघेल ने कहा कि वह सत्य की लड़ाई लड़ते रहेंगे और जनता के मुद्दों को उठाते रहेंगे। साल 2024 के दिसंबर में उन्होंने विदेश में बैठे उन लोगों के खिलाफ भारत सरकार से लुकआउट नोटिस जारी करने की अपील की थी, जो ऑनलाइन बेटिंग कर रहे थे। हमने पहले भी इस मुद्दे को उठाया था, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने खुद के गिरफ्तार किये जाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की जा सकती है, लेकिन उन्हें इससे कोई डर नहीं है। उन्होंने कहा मैं न पहले भागा था न अब भागूंगा। गिरफ्तार करना है तो कर लो मुझे कोई डर नहीं है।

शुभम सोनी का नाम क्यों नहीं?

बघेल ने कहा कि एफआईआर में सबसे ऊपर रवि उप्पल का नाम है जबकि उनका खुद का नाम छठे नंबर पर है और सौरभ चंद्राकर का आठवें नंबर पर है। लेकिन शुभम सोनी जो खुद को इस ऐप का मालिक बताता है उसका नाम एफआईआर में नहीं है। फिर भी उन्हें आरोपी बनाया गया है।

अन्य नेताओं के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ

कर्नाटक के डिप्टी सीएम और तेज तर्रार नेता डीके शिवकुमार पर भी इसी तरह की कार्रवाई हुई थी जब वह विपक्ष मे थे। डीके शिवकुमार को भष्टाचार के आरोपो में जेल में डाल दिया गया था। लेकिन वह कर्नाटक में कांग्रेस की लड़ाई लड़ते रहे। कर्नाटक में जब चुनाव हुए तो जनता डीके शिवकुमार के साथ खड़ी हो गयी।

कोई औचित्य नहीं है

केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि जब-जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ आते हैं, तब-तब सीबीआई और ईडी की छापेमारी होती है। प्रधानमंत्री मोदी के आने से पहले ईडी की रेड पड़ी। अब अमित शाह आ रहे हैं और इस एफआईआर को इतने समय बाद सार्वजनिक किया जा रहा है। इसका क्या औचित्य है?

राजनीतिक हत्या की कोशिश

छत्तीसगढ़ में महादेव सट्टा ऐप मामले को लेकर सियासत गरमा गई है। सीबीआई ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आरोपी बनाया है। महादेव सट्टा एप में आरोपी बनाये जाने के बाद भूपेश बघेल ने सरकार और सीबीआई पर अपनी राजनीतिक हत्या करने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि केंद्रीय एजेंसियां उनकी राजनीतिक हत्या करना चाहती हैं और उन्हें शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध के तहत की जा रही है। बघेल कहा कि एफआईआर 18 दिसंबर को दर्ज हुई थी लेकिन इसे 1 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया। यह एफआईआर ईडी और सीबीआई के बीच इधर-उधर हो रही है।

जबरदस्ती पारित किया वक्फ विधेयक : सोनिया गांधी

» यह संविधान पर खुला हमला, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा ने एनडीए सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक को संविधान पर बेशर्म हमला करार देते हुए कहा कि यह समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में रखने की भाजपा की रणनीति का हिस्सा है। लोकसभा द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक पारित किए जाने के कुछ घंटों बाद गांधी ने कहा कि निचले सदन में इस विधेयक को बुलडोजर से पारित कर दिया गया।

यहां संविधान सदन में कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में कांग्रेस सांसदों को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक संविधान का एक और उल्लंघन है और पार्टी इसका कड़ा विरोध करेगी। सोनिया गांधी नेआरोप लगाया कि चाहे वह शिक्षा हो, नागरिक अधिकार और स्वतंत्रता हो, हमारा संघीय ढांचा हो या चुनाव का संचालन हो, मोदी सरकार देश को रसातल में धकेल रही है, जहां हमारा संविधान केवल कागजों पर रह जाएगा और हम जानते हैं कि उनका इरादा उसे भी ध्वस्त करने का है। गांधी ने बैठक में सांसदों से कहा, हम सभी के लिए यह जरूरी है कि हम सही और न्यायसंगत के लिए लड़ते रहें, मोदी सरकार की विफलता और भारत को निगरानी राज्य में बदलने के इरादे को उजागर करें। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित सभी पार्टी सांसद मौजूद थे।

इस सरकार में विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं है

सोनिया गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने 2004-2014 के दौरान की गई कई पहलों को अपनी निजी उपलब्धियों के रूप में पुनः ब्रांड किया, पुनः पैकेज किया और विपणन किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसे भी हमारी अपनी सार्वजनिक आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से उजागर करने की आवश्यकता है। संसद के दोनों सदनों के कामकाज पर बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं है और सत्ता पक्ष अक्सर कांग्रेस को अपने मुद्दे उठाने की अनुमति न देने के लिए व्यवधान पैदा करता हुआ पाया जाता है।

'पार्ट टाइम' वालों को राजनीति नहीं करनी चाहिए : अखिलेश यादव

» सीएम योगी पर सपा प्रमुख का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज करते हुए कहा कि उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे 'पार्ट टाइम' समझते हैं। सपा प्रमुख ने योगी आदित्यनाथ के एक बयान पर तंज किया, जो उन्होंने एक विशेष साक्षात्कार के दौरान व्यक्त किया।

यादव ने कहा, दरअसल उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम (अंश कालिक) समझते हैं, क्योंकि 'सच्ची राजनीति सेवा का क्षेत्र' होती है जिसके लिए दिन के 24 घंटे और पूरा जीवन भी कम होता है।साक्षात्कार में एक सवाल के जवाब में योगी ने कहा राजनीति मेरे लिए 'फुल टाइम जॉब' नहीं है। फिलहाल, हम यहां काम कर रहे हैं। मगर असल में मैं एक योगी हूं। जब तक हम यहां हैं, हम काम कर रहे हैं। इसकी भी एक समय सीमा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी प्राथमिक भूमिका उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा करना है, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन्हें सौंपा है।

सपा नेता के परिजनों को मिली मदद, अखिलेश यादव का चेक लेकर पहुंचा सपा प्रतिनिधिमंडल

सुलतानपुर (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। विगत दिनों जनपद सुलतानपुर के विधानसभा लम्भुआ के विधानसभा सचिव व सेक्टर प्रभारी समाजवादी नेता स्व. अमरजीत यादव के असामयिक निधन की अत्यंत दुःखद घटना पर उनके निज निवास रजवाड़े रामपुर पहुंचकर समाजवादी पार्टी लंभुआ के पूर्व विधायक संतोष पाण्डेय ने शोक संवेदना व्यक्त की और सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा प्रदान की गई एक लाख रुपये की सहायता राशि का चेक परिजनों को सौंपा। इसके अलावा पांडेय ने मृतक के बच्चों की पढ़ाई का पूरा जिम्मा ले चुके हैं। प्रतिनिधि मंडल में पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सुल्तानपुर शकील अहमद, अरुण वर्मा पूर्व विधायक जयसिंहपुर, भगेलू राम पूर्व विधायक कादीपुर, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष रघुवीर यादव, सलाउद्दीन जिला महासचिव, विशेष आमंत्रित सदस्य लम्भुआ सत्यपाल यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य परमात्मा यादव, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी अतेंद्र जायसवाल, जैसराज यादव जिलाध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ, देवेंद्र यादव, वैभव मिश्रा समेत तमाम समाजवादी पार्टी के नेता मौजूद रहे।

मुसलमानों का इस्तेमाल किया गया : इमरान

» कांग्रेस सांसद ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बुधवार (2 अप्रैल) को विपक्ष के भारी हंगामे के बीच लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पास कर दिया गया।

इस विधेयक को लेकर विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया और सरकार पर तीखे सवाल उठाए, इस बीच, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (एक्स) पर एक ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। इससे पहले, इमरान प्रतापगढ़ी ने अनोखे अंदाज में इस विधेयक का विरोध किया। वे संसद के गेट पर काले कपड़े पहनकर और हाथ में बैनर लेकर प्रदर्शन करते नजर आए। उनके बैनर पर लिखा था। रिजेक्ट वक्फ बिल विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्होंने सिर पर काली पट्टी भी बांध रखी थी, जिससे उनका विरोध और भी स्पष्ट हो गया। बता दें कि विपक्ष के भारी विरोध के बावजूद सरकार ने इस विधेयक को लोकसभा में पारित कर दिया।

ट्रंप रात भारत पर टैरिफ लगा रहे थे, हमारे पीएम रात के 2 बजे तक संसद चला रहे थे...

इमरान प्रतापगढ़ी ने लिखा, माई डियर फ्रेंड डोनाल्ड ट्रंप कल रात भारत पर 26प्रतिशत टैरिफ लगा रहे थे, इसलिए हमारे प्रधानमंत्री जी रात के 2 बजे तक संसद चला रहे थे, जरूरी मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए फिर से मुसलमानों के नाम का सहारा लेना पड़ा सरकार को।

दलितों और पिछड़ों की हत्या करवा रही सरकार : अजय राय

» कांग्रेस ने भाजपा पर किया तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया है कि सरकार के इशारे पर पुलिस दलित और पिछड़ों की हत्या कर रही है। सरकार को खुश करने के लिए विभिन्न जिलों में पीड़ितों को हिरासत में लिया जा रहा है और पीटकर उनकी हत्या कर दी जा रही है। कांग्रेस सड़क से सदन तक हर मौत का हिसाब मांगेगी।

आजमगढ़ में दलित युवक की पुलिस हिरासत में मौत की जानकारी मिलने पर बुधवार को वह पीड़ित पक्ष के गांव में पहुंचे। आजमगढ़ से लौटने के बाद बयान जारी कर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वह बलिया, बस्ती के बाद आजमगढ़ गए थे। वहां दलित युवक के परिजनों से बताया कि पुलिस पूछताछ के लिए ले गई थी। अगले

दिन मौत की खबर दी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अंबेडकरनगर और प्रतापगढ़ में भी इस तरह की घटनाएं हुई हैं। वहां भी जाकर परिजनों से जानकारी ली जाएगी। राष्ट्रीय नेतृत्व को उत्तर प्रदेश की हर घटना की जानकारी दी जा रही है। जल्द ही राज्यपाल को भी विभिन्न घटनाओं का ब्यौरा सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह घटनाएं पुलिस की निरंकुशता की कहानी बयां कर रही है। किसी को भी यह अधिकार नहीं है कि वह पहले थाने बुलाई और फिर पीड़ित पक्ष की हत्या कर मामले को रफा-दफा करने की कोशिश करें।

भाजपा की सरकार के बाद देश को भुगतने होंगे नतीजे : महबूबा मुफ्ती

» बोलीं पीडीपी प्रमुख- मुसलमानों के अधिकारों का हो रहा हनन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश करने पर पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कड़ा विरोध जताया। महबूबा मुफ्ती ने कहा भाजपा ने पिछले 10 सालों से मुसलमानों के खिलाफ जो कार्रवाई शुरू की है, यह उसी का हिस्सा है। अब वे हमारी संपत्ति लेना चाहते हैं, वक्फ संशोधन विधेयक लाकर।

हमारा देश पूरी दुनिया में भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब के कारण जाना जाता था, लेकिन भाजपा इस चीज को भूल गई है। वे मानते हैं कि भाजपा आज सरकार है, लेकिन कल नहीं होगी। जब तक वे नहीं जाएंगे, पूरा देश ध्वस्त हो जाएगा। महबूबा ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस समय की सरकार मुसलमानों के अधिकारों का हनन कर रही है और इसके परिणाम भविष्य में पूरे देश को भुगतने पड़ेंगे।

कांग्रेस ने देश को बचाए रखा

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वे पिछले 10-11 सालों से इसे बर्दाश्त कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे हिंदू भाइयों को यह समझना चाहिए कि भारत अपनी सद्भावना और गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि आज ये सब कचरे में फेंका जा रहा है। आज हमारा देश, जो एक आदर्श राष्ट्र हुआ करता था, म्यांमार की राह पर चल रहा है, जहाँ अल्पसंख्यकों और मुसलमानों को बाहर निकाल दिया जाता है। वे भूल जाते हैं कि कल वे सत्ता में नहीं होंगे। कांग्रेस ने देश को बचाए रखा। जब तक वे (बीजेपी) जाएंगे, तब तक देश बर्बाद हो चुका होगा। जिस तरह जिया-उल-हक ने देश को निराशा में धकेला, बीजेपी भी ठीक वैसा ही कर रही है।

वक्फ विधेयक असंवैधानिक : पठान

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा कि यह विधेयक असंवैधानिक है। यह अनुच्छेद 14, 25 और 26 का पूरी तरह उल्लंघन है। यह

विधेयक असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में भाजपा के पास बहुमत नहीं है। अगर वे विधेयक पारित करना चाहते हैं, तो उन्हें चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान और जयंत चौधरी के समर्थन की आवश्यकता होगी, और अगर ये लोग विधेयक का समर्थन करते हैं, तो भारत के मुसलमान उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। वहीं, भाजपा नेता और जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. दरख्शां अंद्राबी ने कहा कि ऐसा नहीं लगता कि संसद में पेश किया गया बिल मुसलमानों के खिलाफ है। अगर वक्फ के पास इतनी जमीन है, तो इतने सारे मुसलमान गरीब क्यों हैं? ऐसा लगता है कि बिल मुसलमानों के कल्याण के लिए पेश किया जा रहा है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

ओवैसी का बिल फाड़ना गलत : जगदंबिका पाल

» भाजपा सांसद ने कहा, कल ये जो बिल पास हुआ है इससे सभी को फायदा होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

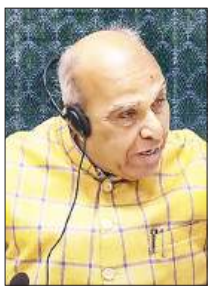

नई दिल्ली। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा, कल 12 घंटे वक्फ पर चर्चा हुई। उसके बाद वोटिंग हुई और यह सब साढ़े 14 घंटे चला। सरकार सीधे इस बिल को पास करा सकती थी लेकिन इस बिल को जेपीसी में भेजने का प्रस्ताव सरकार ने खुद किया था।

कल पूरा देश देख रहा था कि 12 घंटे चर्चा में उन्होंने हिस्सा लिया लेकिन फिर भी वे कह रहे थे कि उन्हें (विपक्ष) बोलने नहीं दिया जा रहा है। कल ये जो बिल पास हुआ है इससे सभी को फायदा होगा, लेकिन असदुद्दीन ओवैसी ने इस बिल को फाड़ दिया। वो इस पर विरोध कर सकते थे लेकिन बिल नहीं फाड़ सकते थे।

छोटे दलों के हाथ में होगी सत्ता की चाभी!

बिहार : दो बड़े गठबंधन, लगभग 10 राजनैतिक दल तैयार

» बिहार विस चुनाव में लगने लगा दांव

» राजग व महागठबंधन में कड़ी टक्कर

» नीतीश, लालू, तेजस्वी व चिराग के अलावा कई दिग्ग नेता मैदान में आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में चुनाव की तैयारी अभी से दिखने लगी है। इसबार बड़ी पार्टियों के साथ-साथ छोटी पार्टियों ने कमर कसना शुरू कर दिया है। बिहार पूरे देश को दिशा दिखाने वाला राज्य है। भारतीय इतिहास में चंपारण आंदोलन के बाद महात्मा गांधी जिस तरह से पूरे देश में चमके और सम्पूर्ण क्रांति के बाद जयप्रकाश नारायण जिस तरह से समूचे राष्ट्र में लोकप्रिय हुए, उससे यहां की सियासी हवा को समझा जा सकता है।

भारतीय राजनीति में बिहार को सियासी प्रयोगशाला समझा जाता है। यहां पर कई ऐसे दिग्गज राजनेता हुए, जिसे चुनावी मौसम विज्ञानी तक करार दिया गया। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम अग्रगण्य है। चूंकि बिहार विधानसभा 2025 के लिए अक्टूबर-नवम्बर में चुनावी होने हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण चुनावी साल भी है, जिसके दृष्टिगत सभी राजनीतिक दल अपने अपने समीकरण बनाने में जुट गए हैं।

कुल 243 सीटें पर होगी लड़ाई

राज्य में कुल 243 सीटें हैं और दो बड़े गठबंधन हैं। जिनमें भाजपा और जेडीयू आदि की भागीदारी वाला एनडीए अभी सत्ता में है और कांग्रेस व आरजेडी आदि की भागीदारी वाला महागठबंधन विपक्ष में है। वहीं, दोनों ही गठबंधन में कुल 10 महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टियां हैं, जो जाति-धर्म-क्षेत्र के आधार पर या फिर कहें कि खुद को सत्ता में बनाए रखने की संभावनाओं के आधार पर भारी उलटफेर करती रहती हैं, जिससे भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े दलों का सियासी कद भी उनके सहयोगियों की जिद्द के समक्ष बौना नजर आता है। यहां की राजनीति में जदयू सुप्रीमो व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन में उलटफेर का ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है कि बिहार के कई सारे सियासी रिकॉर्ड को उन्हें ध्वस्त कर अपने नाम कर लिया है।

पड़ोसी राज्यों का भी असर

वैसे भी हिंदी पट्टी की राजनीति गैर कांग्रेस और गैर भाजपा राजनीति के लिए मुफीद समझी जाती है, जबकि लंबे समय तक कांग्रेस ने और फिर भाजपा ने इसे मनमाफिक हांका है। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार इसी सियासी दांवपेंच की सफल पैदाइश समझे जाते हैं। हालांकि, बिहार की नई पीढ़ी अब इस तरह की घाती-प्रतिघाती राजनीति से ऊब चुकी है। इसलिए साल 2025 में वहां कुछ नया करिश्मा हो जाए तो कोई हैरत की बात नहीं होगी। आप मानें या न मानें, लेकिन बिहार की राजनीति को पड़ोसी प्रान्त उत्तरप्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश नेपाल व बंगलादेश की राजनीति भी प्रभावित करती है। पाकिस्तान और अरब देशों की सियासत का प्रभाव भी बैक डोर से यहां की राजनीति पर पड़ती है, इसलिए यहां की राजनीति को एकतरफा रूप से प्रभावित करने में कभी लालू प्रसाद सफल हुए तो कभी नीतीश कुमार। अब आगे की ल?ाई उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (भाजपा), पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव (राजद), चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (जनसुराज पार्टी) और युवा तुर्क नेता कन्हैया कुमार (कांग्रेस) के बीच यदि सिमट जाए तो किसी के लिए हैरत की बात नहीं होगी। वैसे भी सम्राट चौधरी का सियासी ग्राफ सबसे ऊपर चल रहा है, क्योंकि आरएसएस और भाजपा, दोनों को उनमें अपना सियासी भविष्य दिख रहा है। नीतीश कुमार के स्वाभाविक विकल्प के तौर पर वो उभरे हैं।

तीसरे मोर्चे के भी अस्तिव में आने के आसार

इसलिए यह समझा जा सकता है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में इन नेताओं की पार्टियां किसी तीसरे मोर्चे के रूप में उभर रही हैं, जो पारंपरिक गठबंधनों से अपनी अलग और अलहदा पहचान बनाने की कोशिश में जुटी हुई हैं। कहने का तातपर्य यह कि ये दल स्वतंत्र रूप से अपनी अपनी राजनीतिक गतिविधियों में लगे हुए हैं, जो यदि बिहार विधानसभा की 10-20 प्रतिशत सीटें भी जीतने में कामयाब हो गए तो नीतीश कुमार और लालू प्रसाद का रिमोट कंट्रोल अपने हाथ में रखने में सफल होंगे।

जनसुराज पार्टी भी देगी सभी को टक्कर

जनसुराज पार्टी ने अपना चुनावी पदार्पण नवंबर 2024 में बिहार की चार विधानसभा सीटों इमामगंज, बेलागंज, रामगढ़, और तरारी के उपचुनावों में किया, जिनमें भले ही पार्टी के सभी चारों उम्मीदवार हार गए और उसके तीन उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई, लेकिन तीन सीटों पर पार्टी तीसरे स्थान पर रही, जबकि रामगढ़ में चौथे स्थान पर रही। इससे इसकी सियासी पैठ बनाने की संभावना यहां बरकरार है। इन उपचुनावों में पार्टी को कुल मिलाकर लगभग 66,000 वोट मिले। पार्टी के प्रदर्शन पर प्रशांत किशोर ने ठीक ही कहा है कि हमारी नवगठित पार्टी ने चारों सीटों पर करीब 10प्रतिशत वोट हासिल किए। जबकि आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए उनके पास तैयारी के लिए पर्याप्त समय है। यही वजह है कि पिछले 6 महीने से जन सुराज पार्टी भी अपने संगठनात्मक ढांचे को निरंतर मजबूत करने में जुटी हुई है और बिहार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश कर रही है। पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के विभिन्न जिलों का दौरा किया है और संगठन को खड़ा करने के लिए ताकत झोंकी है। उन्हें भले ही सवर्ण नेता कहकर बदनाम किया जा रहा है, लेकिन बिहार की पिछ?ा बहुल राजनीति में, उनकी सियासी पार्टी के एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में सामने आने की कोशिश से यह साफ है कि लालू प्रसाद, नीतीश कुमार, स्व. रामविलास पासवान आदि की गलतियों से सबक लेकर वह मजबूती से उभरेंगे और सवर्णों के कद्दावर नेता बनेंगे अपने व्यक्तिगत अनुभव व नेटवर्क के बल पर। बिहार की सवर्ण विरोधी राजनीति की यही डिमांड भी है।

ये सियासी दल ठोकेंगे ताल

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), जनता दल (यूनाइटेड), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) आदि के नाम प्रमुख हैं। वहीं, महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अलावा वामपंथी दलों में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन का नाम प्रमुख है। इसी गठबंधन में मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी का नाम भी शामिल है।

कई दल नीतीश व लालू के प्रभाव से पनपे

नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री व राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की सियासी हनक से प्रेरणा लेते हुए कई ऐसे राजनीतिक दल अस्तित्व में आए हैं, जो अपने अपने इलाकों में अच्छे-खासे सक्रिय नजर आ रहे हैं और किसी भी प्रतिद्वंद्वी के सियासी भविष्य को मटियामेट करने लायक व्यापक प्रभाव रखते हैं। इनमें नवस्थापित जनसुराज पार्टी के सर्वेसर्वा प्रशांत किशोर के अलावा पुष्पम प्रिया, असदुद्दीन ओवैसी और आरसीपी सिंह आदि की पार्टी प्रमुख है, क्योंकि ये नेता ना तो लालू यादव-कांग्रेस के खेमे से जुड़े हैं और ना ही नीतीश कुमार-बीजेपी के खेमे में हैं।

इन पार्टियों के हाथ में होगा रिमोट

वहीं, कुछ ऐसी कद्दावर पार्टियां भी हैं जो देखने में भले ही किसी गठबंधन में नहीं हैं, लेकिन उनकी रिमोट कंट्रोल भी भाजपा या कांग्रेस से सहानुभूति रखने वाले किसी बड़े नेता या उनके मित्र उद्योगपति के पास है, जिनमें जनसुराज पार्टी , बहुजन समाज पार्टी , आम आदमी पार्टी , ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन , प्लूरल्स पार्टी , आप सबकी आवाज, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) आदि का नाम प्रमुख है। ऐसे में समझा जा सकता है कि दोनों गठबंधनों का राजनीतिक भविष्य इन्हीं पार्टियों के कद्दावर उम्मीदवार तय करेंगे।

ओवैसी पर भी रहेगी नजर

2020 के विधानसभा चुनाव में ओवैसी की पार्टी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, जिसमें से 5 सीटों पर जीत मिली और 4 सीटों पर पार्टी के उम्मीदवार तीसरे नंबर पर आए। जिन सीटों पर जीत मिली, उनमें अमौर से अख्तरुल इमान, जोकीहाट से शाहनवाज आलम, बहादुरगंज से अनजार नईमी, कोचाधामन से मुश्ताक आलम और बैसी से अब्दुल सुब्हान का नाम शामिल हैं इस प्रकार 2020 में एआईएमआईएम ने कुल 5,23,279 वोट हासिल किए थे। यानी 1.3 फीसदी वोट शेयर रहा। सभी सीटें सीमांचल क्षेत्र (कटिहार, किशनगंज, अररिया और पूर्णिया) में थीं, जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है। हालांकि, जून 2022 में ओवैसी की पार्टी को झटका लगा और चार विधायक आरजेडी में शामिल हो गए। अभी पूर्णिया जिले की आमौर सीट से अख्तरुल इमान ही पार्टी के एकमात्र विधायक बचे हैं, जो पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष हैं। इनकी मजबूती भाजपा को सियासी ऑक्सिजन देने के लिए जरूरी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अब संवेदनशून्य समाज को झकझोरना होगा

संवेदनशून्य समाज में इन दिनों कई ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं, जब संपत्ति मोह में वृद्धों की हत्या कर दी गई। ऐसे में स्वार्थ का यह नंगा खेल स्वयं अपनों से होता देखकर वृद्धजनों को किन मानसिक आघातों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता। वृद्धावस्था मानसिक व्यथा के साथ सिर्फ सहानुभूति की आशा जोहती रह जाती है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कई वरिष्ठ नागरिक हैं जिन्हें उनके बच्चे अनदेखा कर देते हैं और संपत्ति हस्तांतरित करने के बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ देते हैं। जस्टिस सीटी रविकुमार और संजय करोल की पीठ ने कहा कि यह अधिनियम एक लाभकारी कानून है जिसका उद्देश्य उन बुजुर्गों की मदद करना है जिन्हें संयुक्त परिवार प्रणाली के कमजोर होने के कारण अकेला छोड़ दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए इसके प्रावधानों की व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए, न कि संकीर्ण अर्थों में। पहले परिवार से किसी भी मनुष्य की पहचान जुड़ी होती थी, इसलिए लोग परिवार से जुड़े रहते थे। अब उसकी पहचान उसकी कार या कपड़ों के ब्रांड आदि भौतिकतावादी चीजों से होती है। यह भौतिकवाद की मृगतृष्णा इंसान की सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान पर हावी हो गई है, बल्कि अब तो संस्कृति और आध्यात्मिकता भी उपभोक्ता वस्तु की तरह बाजार में हैं। एक बड़ी समस्या भारत जैसे देशों में है, जो इस दौड़ में शामिल हो गए हैं, पर इतने समृद्ध नहीं हुए हैं कि इस जीवनशैली को आसानी से अपना सकें। भारत में परिवार के सदस्यों में परस्पर दूरियां लगातार बढ़ रही हैं। भूमि संबंधी विवाद भाई-भाई के बीच होते-होते अब पिता-पुत्र के बीच भी होने लगे हैं और मामला हत्या तक पहुंच जाता है। ताजा मामला भी संपत्ति विवाद का ही है। आज के बेटों को पुश्तैनी संपत्ति का लाभ तो चाहिए, पर पिता-माता के साथ रिश्ते अच्छे रखना उनकी प्राथमिकता नहीं है। ऐसे में, कई माता-पिता भी अपनी संतानों को बेदखल करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। यह वक्त है, जब हमें जानना होगा कि अपने लोगों से संबंध और संवाद ही जीवन को सार्थक बनाता है। हमें अपने रिश्तों का दायरा इतना तो जरूर बढ़ाना चाहिए, जिसमें कम से कम अपना निकटतम परिवार पूरी तरह से शामिल हो जाए। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्राय: जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है।

“ वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कई वरिष्ठ नागरिक हैं जिन्हें उनके बच्चे अनदेखा कर देते हैं और संपत्ति हस्तांतरित करने के बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ देते हैं। जस्टिस सीटी रविकुमार और संजय करोल की पीठ ने कहा कि यह अधिनियम एक लाभकारी कानून है जिसका उद्देश्य उन बुजुर्गों की मदद करना है जिन्हें संयुक्त परिवार प्रणाली के कमजोर होने के कारण अकेला छोड़ दिया जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मानवीय क्षति के कारकों की गहरी पड़ताल जरूरी

पंकज चतुर्वेदी

दो महीने पहले कश्मीर के राजौरी जिले के गांव बड्डाल में हुई 17 लोगों की संदिग्ध मौत की गुत्थी अब और उलझती जा रही है। सीएसआईआर के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च प्रयोगशाला ने गहन जांच के बाद यह स्पष्ट किया कि मौत का कारण ग्रामीणों के शरीर में पाया गया क्लोरफेनेपायर नामक जहरीला रसायन था। इस गांव में 16 लोग ऐसे भी थे जो बीमार हुए, लेकिन डॉक्टर्स ने उन्हें मौत के मुंह से खींच लिया। लोगों का इलाज करने वाले पीजीआई, चंडीगढ़ के डॉक्टर्स का कहना था कि उन्होंने एंटीडोट के रूप में एट्रोपिन दवा का प्रयोग किया, और इसने 100 प्रतिशत परिणाम दिए। हालांकि, एट्रोपिन का इस्तेमाल ऑर्गेनोफॉस्फोरस विषाक्तता के लिए एक प्रभावी उपचार है, लेकिन आश्चर्यजनक यह है कि किसी भी बीमार या मृत व्यक्ति के शरीर में ऑर्गेनोफॉस्फोरस विषाक्तता के लक्षण नहीं दिखे। अब, जिस क्लोरफेनेपायर को मौत का कारण बताया जा रहा है, उसका यहां दूर-दूर तक कोई उपयोग नहीं होता।

समझना होगा कि क्लोरफेनेपायर एक व्यापक स्पेक्ट्रम कीटनाशक है जिसका उपयोग दीमक और फसलों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। मलेरिया के संभावित उपचार के रूप में भी इसको लेकर प्रयोग चल रहे हैं। क्लोरफेनेपायर सूक्ष्मजीवी रूप से उत्पादित यौगिकों के एक वर्ग से प्राप्त होता है, जिसे हैलोजेनेटेड पाइरोल्स के नाम से जाना जाता है। क्लोरफेनेपायर एक सहयोगी -कीटनाशक है, जिसका अर्थ है कि यह एक अन्य रसायन में सक्रिय होकर कीटों को मारता है। क्लोरफेनेपायर का सक्रिय मेटाबोलाइट ट्रालोपायरिल है, जो कीटों के माइटोकॉन्ड्रिया में एटीपी के उत्पादन को बाधित करता है। इससे कीट की कोशिका मर जाती है और अंतत: जीव मृत्यु हो जाती है। डब्ल्यूएचओ द्वारा इसकी पहचान एक मध्यम विषाक्त कीटनाशक के रूप में की गई है, लेकिन विषाक्त रोगियों की मृत्यु दर बहुत अधिक है।

क्लोरफेनेपायर इंसान के साथ-साथ पक्षियों, मछलियों और जलीय अकशेरुकी जीवों के लिए अत्यधिक विषैला है। यदि इंसान पर इसका असर हो तो पहले पसीने आते हैं फिर तेज बुखार, रैबडोमायोलिसिस तथा तंत्रिका तंत्र के लक्षणों का बिगड़ना शुरू हो जाता है। वैसे बड्डाल के मरीजों में यह सभी लक्षण देखे गए थे। क्लोरफेनेपायर का

उपयोग व्यावसायिक रूप से दीमक नियंत्रण और फसल सुरक्षा के लिए किया जाता है। मलेरिया वेक्टर नियंत्रण में इसके संभावित उपयोग का भी मूल्यांकन किया गया है। प्रयोगशाला अध्ययनों में क्लोरफेनेपायर को बहु-कीटनाशक-प्रतिरोधी मच्छरों के विरुद्ध प्रभावी पाया गया। हालांकि, जब बड्डाल में बीमारी का हो-हल्ला हुआ तो एम्स दिल्ली सहित कई शीर्ष संस्थाओं की टीम वहां पहुंची। केन्द्रीय मंत्री ने जनवरी के दूसरे हफ्ते में ही कह दिया था कि मरने वालों के शरीर में कैडमियम की भारी मात्रा पाई गई और मौत का कारण यही है। वहीं 24 जनवरी को पीजीआई चंडीगढ़ की रिपोर्ट से पता चला है कि बीमार लोगों के शरीर में बहुत-सी भारी धातु पाई गई है। यही नहीं इन धातुओं की मात्रा सामान्य से कई गुना ज्यादा मिली। विशेषज्ञों के अनुसार ये भारी धातुएं जहर जैसा काम करती हैं। उसके बाद मरीजों के नमूनों को केंद्रीय एफएसएल, डीआरडीओ ग्वालियर व अन्य प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं को भी भेजा गया था। इस बीमारी के बाद जिले की सभी कीटनाशक और कृषि सामग्री की बिक्री करने वाली दुकानें सील की गईं, वहां से नमूने उठाए गए लेकिन कहीं से भी न भारी धातु और न ही क्लोरफेनेपायर के कोई अवशेष मिले। यही नहीं, इस रसायन को आनलाइन स्टोर से खरीदने के भी कोई प्रमाण नहीं मिले। बड्डाल गांव हिमालय की पीर पंजाल शृंखला की गोद में है और यहां से बहुत सी जल धाराएं बहती हैं। चिनाब की सहायक नदी आन्सी, बड्डाल से होकर गुजरती है। सबसे बड़ी संभावना है कि पानी के माध्यम से भारी धातु इंसान के शरीर में पहुंची। विदित हो बड्डाल और उसके आसपास बहुत-सी नदियां और छोटी सरिताएं हैं। इसके अलावा चंदन, सुख, नील, हानडु सहित कई तालाब हैं।

यहां की बड़ी आबादी पानी के लिए झरने या इन्हीं नैसर्गिक सरिताओं पर निर्भर है। चूंकि इस इलाके में कोयला, चूना, बाक्साइट, लौह अयस्क और बेन्टोनाइट जैसे अयस्क मिलते हैं और अवैध खनन यहां की बड़ी समस्या रहा है। ऐसे में खनन अवशेषों के जल धाराओं में मिलने से और उस जल के स्वयं से इस त्रासदी की आगमन की एक संभावना है। शक यह भी किया जा रहा है कि क्या कोई एजेंसी या फार्मा कंपनी गोपनीय और अवैध तरीके से क्लोरफेनेपायर के मलेरिया और मच्छर पर प्रयोग कर रही है और इसके लिए उसने इस गुमनाम गांव के गरीब श्रमिकों को चुना?

ट्रम्प के टैरिफ की चुनौती से मुकाबले की तैयारी

ओनिंद्यो चक्रवर्ती

तकरीबन 2,000 साल पहले, जब रोमन साम्राज्य अपने चरम पर था, भूमध्य सागर से बाहर के बंदरगाहों से आने वाले व्यापारिक जहाजों को अपने साथ लाए जाने वाली प्रत्येक वस्तु पर एकमुश्त कर चुकाना पड़ता था। कुछ शताब्दियों बाद, जब इस इलाके पर रोमनों का राज जाता रहा और यह क्षेत्र यहां-वहां बिखरे देशों और छोटी सल्तनतों में विभक्त हो गया, तो व्यापारियों को एक बंदरगाह से दूसरे राजा के बंदरगाह तक जाने के लिए कई किस्म के शुल्कों का सामना करना पड़ा। इसलिए, एक परंपरा विकसित हुई, जिसमें व्यापारियों को पहले से ही यह बता दिया जाता था कि प्रत्येक वस्तु पर कितना कर लगाया जाएगा। अरबी भाषा में इसे 'तारीफे:' अर्थात् अधिसूचना कहा जाता था। यही शब्द अन्य भाषाओं में भी आया, स्पेनिश में 'टैरिफा', इतालवी में 'टैरिफा' और आगे चलकर अंग्रेजी में 'टैरिफ' बना। गया।

आज, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बदौलत, यह शब्द पिछले चार दशकों से चली आ रही विश्व व्यवस्था में खलल डालने पर तुला है। कुछ ही दिनों में, ट्रम्प की 'जवाबी' टैरिफ नीति हर देश को प्रभावित करने वाली है। अमेरिका में आयात शुल्क दर अब ठीक उतनी होगी जो माल भेजने वाला देश अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर लगाएगा। हम पर भी इसका असर होगा। साल 2023-24 में अमेरिका को हमारा निर्यात 78 बिलियन डॉलर रहा और इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 60 बिलियन डॉलर को पार कर गया। इनमें से सबसे बड़ा हिस्सा दवाइयों का था- हमारी दवा कंपनियां अमेरिका को महत्वपूर्ण दवाओं के सस्ते संस्करण निर्यात करती हैं और कमाई मोटी है। इनके बाद सबसे बड़ा अंश था टेलीकॉम उत्पादों का, जैसे कि भारत में पुर्जे जोड़कर बनाए आईफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल गैजेट एवं मशीनें इत्यादि।

हालांकि, हम अमेरिकी उपभोक्ताओं को बहुत अधिक कारें नहीं बेचते हैं, लेकिन ऑटो पार्ट्स हम खूब निर्यात करते हैं। अमेरिकी बाजार हमारे सकल ऑटोमोबाइल निर्यात का 27 प्रतिशत हिस्सा है। हम अन्य देशों को भी ऑटो पार्ट्स निर्यात करते हैं, जिनका उपयोग ऑटोमोबाइल तैयार करने में किया जाता है, जिन्हें आगे अमेरिका भेजा जाता है। निर्यात का एक अन्य बड़ा हिस्सा हीरे एवं सोने के गहने हैं। वर्ष 2024 में, हमने अमेरिका को 12 बिलियन डॉलर के रत्न और आभूषण निर्यात किए। हम वहां कपड़ा और परिधान भी भेजते हैं। पिछले साल, हमने अमेरिका को 11 बिलियन डॉलर के रेडीमेड परिधान, यार्न और टेक्सटाइल बेचे। भारत से अमेरिका को कई किस्म के समुद्री खाद्य पदार्थ भी निर्यात किए जाते हैं। हम अमेरिकी उपभोक्ताओं को विभिन्न किस्मों के चावल भी बेचते हैं। वर्ष 2024 में अमेरिकी बाजार में भारत से कुल मिलाकर 6 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के कृषि उत्पाद, समुद्री भोजन, मछली और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ पहुंचे थे। वर्तमान में, अमेरिका को भारत का सकल निर्यात उसके यहां से आने वाले माल से 45 बिलियन डॉलर अधिक है।

ट्रंप का मानना है कि इस अंतर का एक बड़ा कारण है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर बहुत अधिक टैरिफ लगाता है, जिससे भारतीय बाजार में अमेरिकी सामान अधिक महंगा हो जाता है। भारत विदेश से घरेलू अर्थव्यवस्था में आने वाली वस्तुओं पर औसतन 12 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। यह अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से पांच गुना अधिक है। आयातित कृषि उत्पादों पर भारत औसतन 37.8 प्रतिशत टैरिफ लगाता है जबकि अमेरिका केवल 5.4 प्रतिशत लगा रहा है। अमेरिका में बने ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स पर हमारा टैरिफ उसके द्वारा भारतीय कलपुर्जों पर वहां लगाए जाने वाले शुल्क से 24 प्रतिशत से भी ज्यादा है। हाल ही तक, अमेरिका भारतीय ऑटो कलपुर्जों पर महज 1 प्रतिशत शुल्क लगाता रहा था।

भारत और अमेरिका के टैरिफ के बीच अब तक रहे अंतर में : कृषि उत्पादों में 32.4 प्रतिशत, ऑटो पार्ट्स में 23.1 प्रतिशत, हीरे और सोने के आभूषणों में 13.3 प्रतिशत, फार्मास्यूटिकल्स में 8.6 प्रतिशत तो इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल और दूरसंचार उत्पादों में 7.2 प्रतिशत शामिल है। यही चीज़ ट्रम्प के निशाने पर है। भारत के टैरिफ जितना शुल्क लगाने का उनका निर्णय या तो भारतीय निर्यात को अप्रतिस्पर्धी बना देगा या फिर अगर भारत चाहता है कि अमेरिकी बाजार तक अपने माल की पहुंच जारी रहे, तो उसे अपने टैरिफ अमेरिका के समान करने को मजबूर होना पड़ेगा। दोनों ही विकल्प भारत के लिए बुरे हैं।

ट्रम्प के जवाबी टैरिफ से भारतीय कृषि उत्पाद, समुद्री भोजन और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अमेरिका में 31 प्रतिशत तक महंगे हो जाएंगे। अमेरिकी उपभोक्ता के लिए यह कारण बासमती चावल की बजाय इसके सस्ते विकल्प 'टेक्समती' की और मुड़ने के लिए काफी होगा। भारतीय ऑटो पार्ट्स भी 23 प्रतिशत महंगे हो जाएंगे। अमेरिकी बाजार में भारत निर्मित दवाएं और अन्य चिकित्सा उत्पाद 7 से 9 प्रतिशत तो रत्न एवं आभूषण 13 प्रतिशत महंगे पड़ेंगे। इससे भारतीय उत्पाद अमेरिकी दुकानों से बाहर हो सकते हैं। हमारे निर्यातक प्रतिस्पर्धा करने में तभी सक्षम हो सकेंगे, जब वे अपनी बिक्री कीमत कम रख पाएंगे। इसलिए, भारतीय झींगा और मसालों को 17 प्रतिशत कम पर बेचना पड़ सकता है ताकि उच्च टैरिफ के बाद भी अमेरिकी सुपर मार्केट में उनकी बिक्री बनी रहे।

राम नवमी

इन राम मंदिरों का करें दर्शन

इस वर्ष रामनवमी 6 अप्रैल 2025 को मनाई जा रही है। राम नवमी भगवान विष्णु के अवतार प्रभु श्रीराम की जयंती का पर्व है। इस दिन अयोध्या में राजा दशरथ के घर पर श्रीराम का जन्म हुआ था। अयोध्या राम जी की जन्मभूमि हैं, जहां वर्षों के संघर्ष के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ। इसके अलावा 14 वर्ष के वनवास के दौरान वह कई जगहों पर ठहरे और समुद्र मार्ग से होते हुए लंका तक पहुंचे, जहां उन्होंने लंका नरेश रावण का वध किया। राम नवमी के मौके पर अगर आप प्रभु श्रीराम के दर्शन करना चाहते हैं तो अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर में जा सकते हैं। इसके अलावा देश में कई प्राचीन और भव्य राम मंदिर हैं, जहां आप दर्शन के लिए जा सकते हैं।

कालाराम मंदिर

महाराष्ट्र के नासिक जिले में भगवान राम का खूबसूरत मंदिर है, जिसका नाम कालाराम मंदिर है। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ पंचवटी में ही रुके थे। बाद में सरदार रंगारू ओढेकर ने इस स्थान पर मंदिर का निर्माण कराया। इस बारे में एक कहानी प्रचलित है कि सरदार रंगारू को स्वप्न आया कि गोदावरी नदी में श्रीराम की काले रंग की मूर्ति है। उन्होंने अगले ही दिन मूर्ति निकालकर मंदिर में स्थापित की।

रघुनाथ मंदिर

उत्तरी भारत यानी जम्मू कश्मीर में प्रभु श्रीराम का काफी प्रसिद्ध रघुनाथ मंदिर स्थित है। वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालु रघुनाथ मंदिर जरूर जाना पसंद करते हैं। इस मंदिर में भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ विराजमान है। यहां रामायण और महाभारत के पात्रों की झलक भी देखने को मिल जाती है।

रामास्वामी मंदिर

दक्षिण भारत में भी राम जी का भव्य मंदिर है। तमिलनाडु के रामास्वामी मंदिर में भगवान राम की पूजा होती है। अधिकतर मंदिरों में श्री राम के साथ माता सीता और लक्ष्मण जी की प्रतिमा होती है। रामास्वामी देश का एकमात्र मंदिर हैं, जहां श्री राम सीता जी, लक्ष्मण ही भरत और शत्रुघ्न विराजमान हैं। इस मंदिर की नक्काशी महाकाव्य रामायण के मुताबिक, घटित प्रसिद्ध घटनाओं को दर्शाती है।

राम जन्मभूमि मंदिर

उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में राम जी का जन्म हुआ था। यहां श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ और साल 2024 में ही मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई है। राम मंदिर के दर्शन के लिए विदेशों से लोग पहुंच रहे हैं। यहां राम जी बाल स्वरूप में विराजमान हैं। इस राम नवमी पर अयोध्या के राम मंदिर में दर्शन के लिए जा सकते हैं।

राजा राम मंदिर

पूरे देश में एकमात्र स्थान है, जहां प्रभु राम की राजा राम के रूप में पूजा की जाती है। मध्य प्रदेश के ओरछा जिले में उनका महल जैसा मंदिर है। यहां साल भर भक्तों की भीड़ रहती है। रोजाना इस मंदिर में गार्ड ऑफ ऑनर देकर भगवान श्रीराम को शस्त्र सलामी दी जाती है।

हंसना मना है

12 साल बाद एक व्यक्ति जेल से छूटा था तो वह मैले कुचैले कपड़ों में बहुत थका हुआ घर पहुंचा। घर पहुंचते ही बीबी चिल्लाई- कहां घूम रहे थे इतनी देर? आपकी रिहाई तो 2 घंटे पहले ही हो गई थी ना? वो आदमी वापस जेल चला गया।

रमेश (नौकर से)- जरा देख तो बाहर सूरज निकला या नहीं? नौकर - बाहर तो अंधेरा है। संता - अरे! टॉर्च जलाकर देख ले कामचोर।

पत्नी- सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तौलिये? पत्नी - अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे।

सास- जमाई राजा अगले जन्म में आप क्या बनोगे? जमाई- सासू मां मैं अगले जन्म में छिपकली बनूंगा। सास- छिपकली क्यूं? जमाई- क्योंकि मेरी बीवी छिपकली से बहुत डरती है।

मरीज-डॉक्टर साहब, मेरी दाई टांग में बहुत दर्द रहेता है? डॉक्टर-ये उम्र का तकाजा है? मरीज-लेकिन मेरी बाई टांग की भी तो उम्र उतनी ही है? फिर दाई टांग में ही तकलिफ क्यों? डाक्टर बेहोश!!

कहानी | उम्र बढ़ाने वाला पेड़

एक समय बादशाह अकबर का परचम पूरे विश्व में फैलने लगा था। उसी दौरान तुर्किस्तान के बादशाह को अकबर की बुद्धिमत्ता की परीक्षा लेने की सूझी। तुर्किस्तान के बादशाह ने अपने दूत को संदेश पत्र देकर कुछ सिपाहियों के साथ दिल्ली रवाना किया। बादशाह ने पत्र में लिखा था 'मुझे सुनने में आया है कि भारत में ऐसा पेड़ है, जिसके पत्ते को खाकर इंसान की आयु बढ़ाने में मदद मिल सकती है। अगर यह बात सच है, तो मेरे लिए उस पेड़ के कुछ पत्ते जरूर भेंजे।' अकबर सोच में पड़ गए। अकबर ने बीरबल की सलाह पर तुर्किस्तान से आए सिपाहियों और दूत को कैद करने का आदेश दिया। सिपाही और दूत के कैदखाने में कई दिन बीत जाने के बाद अकबर और बीरबल एक दिन उनसे मिलने गए। अकबर और बीरबल को आते देख कर वो सोचने लगे कि उन्हें रिहाई मिल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अकबर जब उनके पास पहुंचे, तो उन्होंने दूत से कहा 'जब तक इस किले की एक-दो ईंट गिर नहीं जाती, तब तक आप लोगों को आजाद नहीं करेंगे। ऐसा होने तक आप सभी के लिए यहां खाने-पीने का पूरा इंतजाम किया जाएगा।' इतना कहकर अकबर और बीरबल वहां से चले गए। उनके जाने के बाद दूत और सिपाही कैद से निकलने के लिए कोई रास्ता नजर नहीं आया, तो भगवान से प्रार्थना करने लगे। फिर कुछ दिनों बाद अचानक तेज भूकंप आया और भूकंप के कारण किले का एक भाग टूटकर गिर गया। यह घटना के बाद दूत ने अकबर के पास किले की दीवार गिरने की खबर भिजवाई। अकबर को अपना वादा याद आया और उन्होंने तुर्किस्तान के दूत व सिपाहियों को दरबार में प्रस्तुत होने का आदेश दिया। अकबर बोले 'अब तो आप सबको अपने बादशाह के द्वारा भेजे गए पत्र का उत्तर मिल गया होगा। अगर अब भी आपको समझ नहीं आया है, तो मैं समझा देता हूं। तुम सिर्फ 100 लोग हो और तुम्हारी आह सुनकर किले का एक हिस्सा गिर गया, तो सोचो जिस देश में हजारों लोगों पर अत्याचार होते हैं, उस देश के बादशाह की आयु कैसे बढ़ेगी। लोगों की आह से उसका पतन तो निश्चित है। हमारे भारत देश में किसी गरीब पर अत्याचार नहीं होता। यही होता है आयुवर्धक वृक्ष।' उसके कुछ दिन बाद बादशाह ने उन सभी को उनके देश भेज दिया है और रास्ते में होने वाले खर्चे के लिऐ कुछ पैसे भी दिए। दूत ने तुर्किस्तान पहुंचकर भारत में घटित सारी बात विस्तार से बादशाह को बताए। अकबर-बीरबल की बुद्धिमत्ता देखकर तुर्किस्तान के बादशाह ने दरबार में उनकी बहुत प्रशंसा की।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। सहकर्मी साथ नहीं देंगे।

वृषभ डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मिथुन कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

कर्क तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें।

सिंह चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्जन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें।

कन्या किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

तुला स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है।

वृश्चिक रोमांस में सफलता मिलेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा।

धनु कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है।

मकर मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

कुम्भ भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मीन यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

ज्ञानवापी फाइल्स का पोस्टर जारी

दर्जी कन्हैया लाल की भूमिका में नजर आएंगे विजय राज

फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज

निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख का भी एलान किया है। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की घोषणा 2 अप्रैल 2025 को सोशल मीडिया पर की गई। फिल्म के पहले पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा गया, उस कहानी के गवाह बनें, जिसे बताया जाना चाहिए। ज्ञानवापी फाइल्स- ए टेलर मर्डर स्टोरी 27 जून को सिनेमाघरों में।

दर्जी कन्हैया लाल की क्रूर हत्या पर आधारित एक फिल्म ज्ञानवापी फाइल्स : ए टेलर मर्डर स्टोरी रिलीज के लिए तैयार है, जिसमें मशहूर बॉलीवुड अभिनेता विजय राज मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का पहला आधिकारिक पोस्टर बुधवार को जारी किया गया, जो एक बेहद चर्चित प्रोजेक्ट की शुरुआत है। अभिनेता का फिल्म से पहला लुक भी जारी हुआ है।

निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख का भी एलान किया है। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की घोषणा 2 अप्रैल 2025 को सोशल मीडिया पर की गई। फिल्म के पहले पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा गया, उस कहानी के गवाह बनें, जिसे बताया जाना चाहिए। ज्ञानवापी फाइल्स : ए टेलर मर्डर स्टोरी 27 जून को सिनेमाघरों में। दर्जी कन्हैया लाल की क्रूर हत्या पर आधारित एक फिल्म ज्ञानवापी फाइल्स : ए टेलर मर्डर स्टोरी रिलीज के लिए तैयार है, जिसमें मशहूर बॉलीवुड अभिनेता विजय राज मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का पहला आधिकारिक पोस्टर आज जारी किया गया, जो एक बेहद चर्चित प्रोजेक्ट की शुरुआत है। अभिनेता का फिल्म से पहला लुक भी जारी हुआ है।

कैसी होगी फिल्म की कहानी

मामले की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए फिल्म की घोषणा ने पहले ही महत्वपूर्ण चर्चा को जन्म दे दिया है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक कहानी कहने के तरीके के बारे में विवरण का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उम्मीद है कि इस परियोजना में हत्या और उसके बाद की घटनाओं को गहराई से दिखाया जाएगा।

क्या था पूरा मामला

दरअसल, कन्हैया लाल की जून 2022 में उदयपुर में दो हमलावरों ने दिनदहाड़े सिर काटकर हत्या कर दी थी। हमलावरों ने बाद में हत्या की बात कबूल करते हुए एक वीडियो जारी किया, जिसमें दावा किया गया कि यह नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का बदला था। भाजपा के पूर्व प्रवक्ता शर्मा ने पैगंबर मुहम्मद के बारे में टिप्पणी करके विवाद खड़ा कर दिया था, जिसके कारण व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे।

बॉलीवुड | **मन की बात**

बॉलीवुड में किसी ने मेरा सपोर्ट नहीं किया : सलमान खान

बॉलीवुड के भाईजान इन दिनों अपनी फिल्म सिकंदर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। सिकंदर ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और ठीक-ठाक बिजनेस कर रही है। सिकंदर के ट्रेलर के बाद से सलमान इसके प्रमोशन में लग गए थे। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान ने बॉलीवुड में किसी से सपोर्ट न मिलने के बारे में बात की। सलमान का ये बयान खूब वायरल हो रहा है। सलमान खान ने बॉलीवुड बबल्स को दिए इंटरव्यू में सिकंदर के बारे में बात की। इतना ही नहीं वो सनी देओल की जाट और मोहनलाल की एल2 एम्पुरान के बारे में भी बात की। सलमान सबकी फिल्मों के लिए पोस्ट करते हैं मगर उनकी फिल्म को लेकर किसी ने पोस्ट नहीं किया। सलमान खान से पूछा गया कि जब भी कोई फिल्म आती है फिर वो चाहे आपसे क्लैश हो रही हो या ना आप सभी के लिए पोस्ट करते हैं। मगर फैंस ने नोटिस किया है कि आपके लिए कोई शाउटआउट नहीं करता है। सलमान ने कहा- नहीं तो, कल ही तो मैंने जाट के बारे में बात की। इसके बाद जब सलमान को बोला गया कि आप करते हो लेकिन आपके लिए शाउटआउट्स नहीं आते हैं। फिर सलमान बोले- उनकों ऐसा लगता होगा कि जरुरत नहीं पड़ती है मुझे लेकिन सबको जरुरत पड़ती है।सलमान ने आगे कहा- जैसे मोहनलाल की फिल्म आ रही है।मोहनलाल की फिल्म भी सिकंदर से दो दिन पहले रिलीज हो रही है। मुझे उम्मीद है कि वो फिल्म अच्छा करेगी। सनी देओली का जा आ रही है। सनी देओल फिर अच्छा करेंगे। मैंने सुना कि मोहनलाल ने भी हमारे फिल्म के बारे में बात की है। बता दें मोहनलाल की एल 2 एम्पुरान 28 मार्च को रिलीज हुई है। वहीं जाट की बात करें तो ये 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

नागिन 7 में हुई ईशा मालवीय की इंट्री

बॉलीवुड | **छोटा पर्दा**

एकता कपूर का शो नागिन 7 काफी चर्चा में बना है। शो जल्द ही शुरू होने वाला है। एकता ने ईद के दिन फैंस को ईदी दी और नागिन 7 को लेकर अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि शो जल्द ही शुरू होने वाला है।

शो में कौन लीड रोल निभाएगा इसे लेकर चर्चा हो रही है। कई एक्ट्रेसेस के नाम सामन आ रहे हैं। उडारियां फेम ईशा मालवीय का नाम सामने आ रहा है। खबरें हैं कि मेकर्स ने ईशा मालवीय को शो के लिए अप्रोच किया है। अब ईशा मालवीय ने इन खबरों पर रिएक्ट किया है।

पैपराजी विरल भयानी से बातचीत में ईशा मालवीय ने नागिन 7 को लेकर बात की, आप मुझे शो में देखना चाहते हैं। आप नहीं जानते कि क्या होगा। मुझे नहीं पता। कुछ भी हो सकता है। अगर आप मुझे नागिन में देखना चाहते हो तो प्लीज एकता कपूर मैम को मैसेज कर दो।

इसके अलावा एक्ट्रेस ने खतरों के खिलाड़ी 15 को लेकर रिएक्ट किया। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो अभी उसके बारे में भी कुछ साफ पता नहीं है। तो देखिए क्या होता है। मैं लाइफ में किसी भी चीज मना नहीं करती। कोई भी मौका छोटा या बड़ा मैं किसी को मना नहीं करती। बता दें कि ईशा मालवीय को शो उडारियां से नेम-फेम मिला था। ईशा मालवीय ने बिग बॉस में भी हिस्सा लिया था। इस शो में वो अपने एक्स बॉयफ्रेंड और उस वक्त करंट बॉयफ्रेंड के साथ दिखी थीं। नागिन की बात करें तो इस शो में मौनी रॉय से लेकर सुरभि ज्योति, तेजस्वी प्रकाश जैसी एक्ट्रेसेस नागिन बन चुकी हैं।

ये है सांपों का हनीमून स्पॉट, हर साल रोमांस के लिए पहुंचते हैं 75 हजार सांप

अगर आपको सड़क पर कोई साँप दिख जाए तो आप क्या करेंगे? शायद बिना पीछे देखे भाग जाएंगे। सोचिए अगर आपको एक ही स्थान पर सैकड़ों या हजारों सांप दिखें तो कैसे डील किया जाएगा? आपको तो इसकी कल्पना करने में भी डर लगता है, लेकिन कुछ लोग हैं, जहां लोग इस नज़ारे को देखने के लिए निकलते हैं। सांपों के हनीमून स्पॉट कहे जाने वाले इस शहर में हर साल नाग-नागिन के जोड़े लहराते हुए देखे जाते हैं। ये जगह कनाडा के मैनिटोबा में मौजूद शहर नार्सिस है, जहां हर बसंत ऋतु में ये चमत्कार घटित होता है। इस दौरान यहां 75,000 से अधिक सांप प्रवास के लिए आते हैं। कभी-कभी यह संख्या 1,50,000 तक पहुंच जाती है। यहां प्रवास करने वाले सांप लाल-किनारे वाले पूर्वी गार्टर सांप हैं। जीव वैज्ञानिक यहां हर साल मार्च से जून तक बड़ी संख्या में एकत्र होने वाले सांपों को देखने आते हैं। ये सांप सर्दियों में अपने छिपने के स्थानों से बाहर आ जाते हैं। वे गर्मी और मेटिंग के लिए साथी की तलाश में नार्सिस की ओर पलायन करते हैं। कनाडा में सर्दी समाप्त होने के बाद साँपों का प्रवास शुरू हो जाता है। सर्दियों में सांप चूना पत्थर की दरारों से बनी गुफाओं में ज़मीन के नीचे रहते हैं। जब वसंत ऋतु आती है, तो नर सांप सबसे पहले जागते हैं और साथी की तलाश में बाहर आते हैं। जो नागिन उन्हें अपने योग्य समझती है, वो उनके साथ संबंध स्थापित करती है। हनीमून डेस्टिनेशन पर पहुंचकर नर सांप, मादा सांपों के चारों ओर समूह में घूमते हैं। नर सांप कोशिश करते हैं कि वो मादा सांप को इम्प्रेस करके उन्हें अपना पार्टनर बना लें, इस प्रक्रिया को मेटिंग बॉल कहा जाता है। विशाल सांपों का यह जमावड़ा सांपों के मेटिंग और ब्रीडिंग सीज़न का हिस्सा होता है। जहां यह घटना घटित होती है वहां नार्सिसस सर्प गुफाओं में हजारों सांप घूमते हैं। वह क्षेत्र काफी भीड़भाड़ वाला है और यहां इतने सारे सांपों को करीब से देखने का यह एक दुर्लभ मौका भी मिलता है।चूंकि ये एक हाईवे के पास है, ऐसे में प्रवास के दौरान सड़क पार करते समय वाहनों की चपेट में आने से हजारों सांप मर चुके हैं, जिससे वे डर जाते हैं। अब पर्यावरण की सुरक्षा करने वाले लोगों ने आइडिया निकाला और उन्होंने राजमार्ग के नीचे सुरंगें बनाई और बाड़ लगाई है, ताकि सांपों के साथ दुर्घटनाएं नहीं हों। नार्सिसस में सांपों का मेल और मिलन महज एक घटना नहीं, बल्कि इकोसिस्टम का एक हिस्सा है। इससे वैज्ञानिकों को यह जानने में मदद मिलेगी कि सांप कैसे रहते हैं और कैसे व्यवहार करते हैं। यह क्षेत्र कई तरह के पर्यटकों के लिए आकर्षण का अहम केंद्र बना हुआ है।

अजब-गजब | **सुरक्षा के मद्देनजर सरकार ने उठाया अजीब कदम**

रात में ताज महल के अंदर नहीं होता लाइट्स का इस्तेमाल

ताज महल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है और भारत की शान है यह प्रेम का प्रतीक भी माना जाता है और हर साल लाखों पर्यटक इसे देखने आते हैं। इसकी अनोखी वास्तुकला, सफेद संगमरमर की बनावट और यमुना नदी के किनारे स्थित होने के कारण यह और भी आकर्षक लगता है। मुगल सम्राट शाहजहां ने अपनी प्रिय पत्नी मुमताज महल की याद में इस भव्य इमारत का निर्माण कराया था। मुमताज महल की मृत्यु 14वें बच्चे को जन्म देते समय हुई थी, और उनकी स्मृति में ताज महल का निर्माण 1632 में शुरू हुआ। इस अद्भुत इमारत को पूरा करने में लगभग 20,000 कलाकारों, शिल्पकारों और मजदूरों ने 22 साल तक मेहनत की।

ताज महल के निर्माण के लिए राजस्थान से सफेद संगमरमर, दक्षिण भारत से जेड पत्थर और तुर्की, अफगानिस्तान और चीन जैसे देशों से कीमती रत्न मंगाए गए थे। यह मुगल वास्तुकला का एक अद्वितीय उदाहरण है। ताज महल में कुल 22 कमरे हैं, जो मुख्य कब्र के नीचे बनाए गए थे। मुगलों के शासनकाल में इन्हें बंद कर दिया गया था। आखिरी बार1934 में निरीक्षण के लिए इन्हें खोला गया था, लेकिन तब से इन्हें फिर से नहीं खोला गया है।2022 में, ताज महल के इन 22 कमरों की जांच के लिए अदालत में याचिका दायर की गई थी, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ये कमरे ताज महल के तहखाने का हिस्सा हैं।

ताज महल हर दिन सुबह 6:00 बजे खुलता है और शाम 6:30 बजे बंद हो जाता है। शाम 6:30 के बाद पर्यटकों का प्रवेश वर्जित है। रात में यहां लाइट्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता, क्योंकि इससे कीड़े आकर्षित होते हैं और संगमरमर की दीवारों पर चिपक जाते हैं, जिससे ताज महल की सुंदरता को नुकसान पहुंचता है और वायु प्रदूषण से टाइल्स को भी नुकसान होता है।

1997 के बाद से, सुरक्षा कारणों से रात में लाइट्स का इस्तेमाल पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने इस बारे में एक रिपोर्ट जारी की है। ताज महल की सफाई और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है। ताज महल की यात्रा करने वाले पर्यटकों को कुछ महत्वपूर्ण जानकारी होनी चाहिए।

प्रत्येक दिन सुबह 6:00 से शाम 6:30 तक पर्यटकों को प्रवेश की अनुमति है। हर शुक्रवार को ताज महल बंद रहता है, क्योंकि उस दिन प्रार्थना के लिए आरक्षित है। पूर्णिमा की रात को विशेष रूप से पर्यटकों को प्रवेश की अनुमति होती है। भारतीय नागरिकों के लिए प्रवेश शुल्क 50 है, जबकि विदेशी पर्यटकों के लिए रू. 1,100 है।

ताज महल की मुख्य समाधि पूरी तरह से भूमिगत है। यमुना नदी के किनारे स्थित इस इमारत की नींव को मजबूत करने के लिए मुगलों ने विशेष वास्तुकला शैली का उपयोग किया। ताज महल दिन में सफेद रंग में चमकता है, शाम को लाल रंग में और चांदनी रात में नीले रंग में दिखाई देता है। मुगल शासन के अंत के बाद, ब्रिटिश काल में ताज महल पर हमला हुआ और उसमें मौजूद कीमती रत्नों को लूट लिया गया।

प्रेम और आध्यात्मिकता का प्रतीक ताज महल दुनिया की दुर्लभ रचनाओं में से एक है। अद्वितीय सुंदरता, भव्य वास्तुकला कौशल और ऐतिहासिक महत्व के साथ यह इमारत मानव कला की उत्कृष्ट कृति के रूप में हमेशा बनी रहेगी। इसकी सुंदरता का अनुभव करने के लिए हर किसी को ताज महल की यात्रा जरूर करनी चाहिए!

सीएम के जन्मदिन पर गुंडों ने दिए विज्ञापन : पटवारी

» कांग्रेस ने संभागायुक्त कार्यालय पर किया प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। नगर निगम का बजट घोषित होने के एक दिन पहले कांग्रेस ने इंदौर के संभागायुक्त कार्यालय पर बुधवार को प्रदर्शन किया। निगम में हुए घोटाले और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा परिषद को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने घेरा। वे प्रदर्शन में शामिल होने आए थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर इंदौर में गुंडों ने विज्ञापन दिए। प्रदेश में अपराध बढ़ गए है। इंदौर तो भाजपाई ही सुरक्षित नहीं है। भाजपा पार्षद ने भाजपा पार्षद के बेटे को निर्वस्त्र कर दिया। पूर्व लोकसभा स्पीकर के पोते के साथ मारपीट हो रही है। शहर की आम जनता कैसे सुरक्षित रह पाएगी।

सुबह दस बजे कांग्रेस पार्षद संभागायुक्त कार्यालय पर एकत्र हुए। हाथों में कांग्रेस का झंडा लहराते हुए कार्यकर्ता आगे बढ़े तो पुलिस ने गेट पर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन वे नारेबाजी करते हुए परिसर में घुस गए।

प्रदर्शन में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे, उजागर सिंह चड्ढा सहित अन्य नेता मौजूद थे।

बोले- भाजपा नेता तानाशाह हो चुके हैं

पटवारी ने कहा कि जो गुंडे हिस्ट्रीशीटर है। जिनके फोटो थाने में लगे है। वे मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर विज्ञापन दे रहे है। भाजपा नेता तानाशाह हो चुके है। इंदौर में नशा खुलेआम बिक रहा है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था कि वे मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चलवाएंगे, लेकिन अब वो सो गए। 25 साल से भाजपा नेता सत्ता में बैठे है। वे प्रॉपर्टी के लिए,कर्ज वसूलने के लिए गुंडों के साथ लोगों को धमकाने आते है। पुलिस भी उनके खिलाफ शिकायत नहीं करती है। उन्होंने कहा कि सौरभ शर्मा की जमानत मंजूर हो गई,क्योंकि पुलिस चालान पेश नहीं कर पाई। उसे जानबूझ कर बचाया जा रहा है।

भाजपा नेताओं के दबाव में महिला को दी तीन घंटे में अनुकंपा नियुक्ति : चौकसे

इंदौर में जनसुनवाई में पहुंची एक महिला को तीन घंटे में अनुकंपा नियुक्ति देने का मामला चर्चा में है। निगमायुक्त ने इस काम में देरी होने पर एक निगमकर्मी को निलंबित तक कर दिया। अब इस नियुक्ति पर सवाल उठने लगे है। नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने आरोप लगाया कि निगमायुक्त शिवम वर्मा ने भाजपा नेताओं के दबाव में अनुकंपा नियुक्ति दी है, जबकि नियमानुसार वह ठीक नहीं है। चौकसे ने कहा कि सफाई मित्र पंकज पिता कमल की मौत हो जाने पर कविता को अनुकंपा नियुक्ती तीन घंटे में कर दी गई। यह नियुक्ति पत्र नियम के विपरीत जाकर जारी किया गया है। इस नियुक्ति पत्र को यदि रद्द नहीं किया गया तो कांग्रेस इस मामले को लेकर लोकायुक्त में जाएगी। चौकसे ने कहा कि निगम के सफाई मित्र पंकज पिता कमल की मृत्यु हो जाने के कारण कविता नामक महिला के द्वारा नगर निगम में अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। इस आवेदन पर नियुक्ति का आदेश जारी नहीं करने के कारण निगम आयुक्त के द्वारा मंगलवार को निगम की स्वास्थ्य यूनिट के प्रभारी राजेश करोसिया को निलंबित कर दिया गया।

हरियाणा भाजपा अध्यक्ष पर दुष्कर्म का मामला फिर कोर्ट पहुंचा

» मोहन लाल बडौली पर कसौली कोर्ट के आदेशों को दी गई चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोलन। हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडौली के खिलाफ रद्द हो चुके दुष्कर्म के मामले में शिकायतकर्ता महिला ने कसौली कोर्ट के आदेशों के खिलाफ जिला एवं सत्र न्यायालय सोलन में याचिका दायर कर दी है। सूत्रों की मानें तो इस बार केवल बडोली के खिलाफ ही याचिका दायर की गई है। इसमें सिंगर रॉकी मित्तल का नाम नहीं है। मंगलवार दोपहर बाद शिकायतकर्ता के वकील सोलन न्यायालय में पहुंचे और याचिका दायर की। इसमें उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि कसौली कोर्ट में उनके केस की कैंसिलेशन रिपोर्ट पर दोबारा से विचार किया जाए।

हालांकि, सोलन कोर्ट में अभी यह तय नहीं हुआ है कि याचिका पर सुनवाई कब होगी। दरअसल बडोली और सिंगर रॉकी मित्तल के खिलाफ 13 दिसंबर को कसौली कोर्ट में एक महिला ने दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया था। ठोस सबूत न मिलने पर पुलिस ने नालागढ़ कोर्ट में कैंसिलेशन रिपोर्ट दायर कर दी थी, उस दौरान कसौली कोर्ट में छुट्टियां थीं। इसके बाद शिकायतकर्ता को कसौली कोर्ट की ओर से दो समन भेजे गए। 6 मार्च को पीड़ित नहीं पहुंची तो 12 मार्च को दोबारा से उसे समन भेजा गया। मगर वह 12 मार्च को भी नहीं आई। उसके बाद कसौली कोर्ट ने इस केस को रद्द कर दिया। अब शिकायतकर्ता महिला ने सोलन कोर्ट में कैंसिलेशन रिपोर्ट के खिलाफ याचिका दायर कर दी है।

दवाओं की कीमतें बढ़ाना केंद्र का अनुचित कदम : ममता बनर्जी

» तृणमूल 4-5 अप्रैल को पूरे बंगाल में करेगी विरोध प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस दवाओं की कीमतें बढ़ाने के केंद्र के फैसले के विरोध में 4-5 अप्रैल को पूरे राज्य में प्रदर्शन करेगी। बनर्जी ने दवाओं की कीमतों में वृद्धि को तत्काल वापस लेने की भी मांग की। उन्होंने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा कि दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी के फैसले से मैं स्तब्ध हूं। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

मैं मूल्य वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग करती हूं। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी के फैसले के खिलाफ 4-5 अप्रैल को हर ब्लॉक और वार्ड में विरोध प्रदर्शन करेगी। बनर्जी ने सभी समुदायों के लोगों से रामनवमी के दौरान शांति बनाए रखने और किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील भी की।

राजधानी में खत्म होंगे कूड़े के पहाड़

» नगर विकास मंत्री बोले- शिवरी में बनेगा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, सौर ऊर्जा संयंत्र से होगी बिजली बचत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के माननीय नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बुधवार को लखनऊ के शिवरी कूड़ा निस्तारण प्लांट का दौरा किया। उन्होंने वहां चल रहे लिगेसी वेस्ट (पुराना कचरा) प्रबंधन कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने जोर देकर कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए मानव श्रम और आधुनिक मशीनों का समुचित उपयोग किया जाए।

उन्होंने पार्षदों से भी अपील की कि वे अपने वार्डों में कचरा प्रबंधन के लिए मशीनों के उपयोग पर विशेष ध्यान दें। मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि शिवरी में पिछले 10 वर्षों से लखनऊ का कचरा डंप किया जा रहा था, जिससे 18-19 लाख मीट्रिक टन का कूड़े का पहाड़ बन गया था। यह 50 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ था, जिससे आसपास के ग्रामीण इलाकों में गंदगी, दुर्गंध और मच्छरों की समस्या बनी हुई थी। साथ ही नगर निगम के लिए कचरे के उचित निस्तारण की चुनौती बढ़ रही थी। मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि जैसे-जैसे कूड़े का निस्तारण हो रहा है, वैसे-वैसे खाली हो रही जमीन को जनहित में उपयोगी बनाया जा रहा है।

प्लांट करेगा पर्यावरणीय योगदान

महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि यह प्लांट लखनऊ शहर में एकत्रित कचरे का वैज्ञानिक और पर्यावरण-सम्मत निस्तारण करता है, जिससे शहर की स्वच्छता में महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस प्लांट के माध्यम से कचरे से उपयोगी उत्पाद बनाकर वेस्ट टू वेल्थ की अवधारणा को साकार किया जा रहा है।

गुजरात ने रोका आरसीबी का विजय रथ

» आठ विकेट से जीत में मोहम्मद सिराज के बाद जोस बटलर ने मचाया धमाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। मोहम्मद सिराज की घातक गेंदबाजी के बाद साई सुदर्शन और जोस बटलर की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर गुजरात टाइटंस ने आरसीबी को आठ विकेट से हरा दिया। बुधवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने लियाम लिविंगस्टोन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 169 रन बनाए।

जवाब में गुजरात ने 17.5 ओवर में दो विकेट खोकर 170 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मौजूदा सत्र में यह गुजरात की लगातार दूसरी जीत है जबकि आरसीबी को लगातार दो मैचों में जीत के बाद पहली बार मुंह की खानी पड़ी। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात को साई सुदर्शन और शुभमन गिल ने सधी शुरुआत दिलाई थी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 32 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद मोर्चा जोस बटलर ने संभाला। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 75 रनों की ताबड़तोड़ साझेदारी की। इसके बाद बटलर 73 और रदरफोर्ड 30 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले गुजरात की ओर से सिराज ने घातक गेंदबाजी की। उन्होंने तीन विकेट झटके। इसके अलावा साई किशोर ने दो को आउट किया।

पंजाब के खिलाफ बतौर कप्तान वापसी करेंगे संजू

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले राजस्थान रॉयल्स के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन बतौर कप्तान वापसी के लिए तैयार हैं। उन्हें बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सलेंस ने पूरी तरह फिट घोषित कर दिया है। अब वह आगामी मुकाबले में विकेटकीपिंग भी कर सकते हैं। राजस्थान रॉयल्स ने कहा, संजू को स्किवरी के बाद विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी फिर से संभालने के लिए एनसीए से मंजूरी मिल गई है। इस सकारात्मक विकास के साथ, सैमसन अपनी पूर्ण नेतृत्व भूमिका में लौट आएंगे और पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के अगले मैच से कप्तानी फिर से शुरू करेंगे।

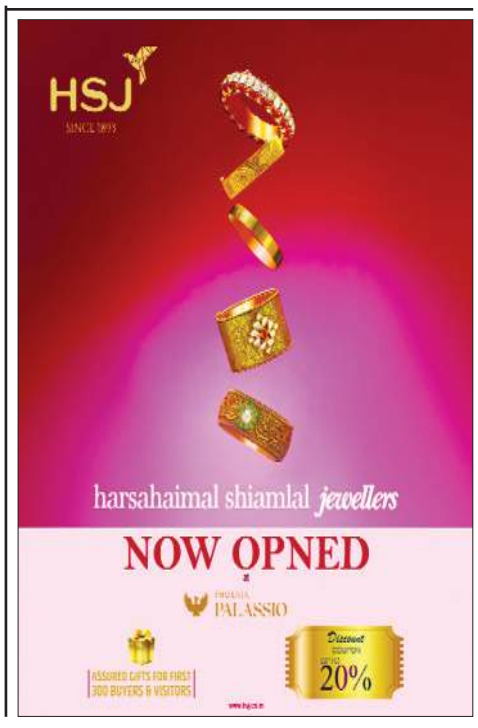

संसद में जोरदार हंगामा विपक्ष व सत्ता पक्ष में रार

» कांग्रेस अध्यक्ष पर अनुराग ठाकुर के आरोप को लेकर राज्यसभा में कोहराम

» खरगे बोले : झुकूंगा नहीं, भाजपा सांसद माफी मांगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा में गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, कांग्रेस ने लोकसभा में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर की ओर से राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर लगाए गए गंभीर आरोपों को निराधार बताया और सदन के नेता से स्पष्टीकरण की मांग की।

उन्होंने भाजपा सांसद से माफी मांगने को भी कहा। इस दौरान खरगे ने कहा, अगर भाजपा के लोग मुझे डराकर झुकाना चाहते हैं, मैं कभी नहीं झुकूंगा।

मैं टूट जाऊंगा, लेकिन झुकूंगा नहीं। याद रखो, मैं डराने से डरने वाला नहीं।

खरगे ने कहा, कल अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में मुझ पर पूरी तरह से झूठे और निराधार आरोप लगाए। जब मेरे सहयोगियों ने उन्हें चेतावनी दी, तो उन्हें अपनी अपमानजनक टिप्पणी वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, लेकिन तब तक नुकसान तो हो चुका था।

उन्होंने यह भी कहा कि मैं आज खड़े होकर अनुराग ठाकुर के बेबुनियाद आरोपों की निंदा करने के लिए बाध्य हूं। मैं सदन के नेता से माफी की उम्मीद करता हूं। यह काम तो कम से कम सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से किया जा सकता है। उसे इतना तो करना ही चाहिए।

मेरी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची

इस दौरान खरगे ने कहा कि अनुराग ठाकुर की ओर से मेरे खिलाफ लगाए गए आरोपों से मेरी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। खरगे ने अनुराग ठाकुर से उनके खिलाफ लगाए गए बेबुनियाद आरोपों को साबित करने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर आप अपने दावों को साबित नहीं कर सकते तो आपको संसद में आने का कोई अधिकार नहीं है। आप इस्तीफा दे दीजिए। इसके साथ ही अगर भाजपा सांसद आरोप साबित कर देते हैं तो वह इस्तीफा दे देंगे।

अनुराग ठाकुर ने ये कहा था

इससे पहले भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ विधेयक के विरोध को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि विधेयक कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा। उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए बनी वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने दलों पर अपना राजनीतिक साम्राज्य बनाने के लिए इनके दोहन का आरोप लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि इन जमीनों का सही इस्तेमाल सुनिश्चित करने के बजाय कांग्रेस ने अपने चुनावी फायदे के लिए इन्हें वोट बैंक एटीएम में बदल दिया।

वक्फ बिल पर विपक्ष ने उठाए कई सवाल

» भाजपा पर कांग्रेस, सपा व डीएमके ने किया प्रहार

» विपक्षी नेताओं की मांग- प्रधानमंत्री मोदी वक्फ संशोधन विधेयक वापस ले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। विपक्ष ने इस विधेयक को लेकर कई आपत्तियां उठाईं. विपक्ष का कहना था कि यह वक्फ बोर्डों की स्वायत्तता में हस्तक्षेप करेगा और मुसलमानों के धार्मिक मामलों में सरकार का अतिक्रमण होगा. एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी ने विधेयक का विरोध किया और अपनी बात रखने के बाद अंत में विधेयक की प्रति फाड़ दी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को वापस लेने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक से मुसलमानों के हितों को नुकसान पहुंचेगा।

वक्फ विधेयक राज्यसभा में पेश

वक्फ संशोधन विधेयक राज्यसभा में पेश कर दिया गया है। अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में बिल पेश कर अपना संबोधन शुरू कर दिया है।

मुस्लिम समुदाय के हितों को गंभीर नुकसान पहुंचेगा : एम के स्टालिन

स्टालिन ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को अपने-अपने धर्म के पालन करने का अधिकार देता है और इसे (अधिकार को) बनाए रखना तथा उसकी रक्षा करना निर्वाचित

सरकारों का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम, 1995 में प्रस्तावित संशोधनों में अल्पसंख्यकों को दी गई संवैधानिक सुरक्षा को ध्यान में नहीं रखा गया है और इससे मुस्लिम समुदाय के हितों को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। मुख्यमंत्री पहले ही वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध कर चुके हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग की और रेखांकित किया कि कुछ दिन पहले तमिलनाडु विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से विधेयक वापस लेने का आग्रह किया था। स्टालिन ने कहा कि मौजूदा वक्फ अधिनियम के प्रावधान समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और वे वक्फ की संपत्तियों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। उन्होंने दावा किया कि वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और संरक्षण में वक्फ बोर्डों की शक्तियों और जिम्मेदारियों को कमजोर कर देंगे। मुख्यमंत्री ने यह दावा भी किया कि मौजूदा अधिनियम में बड़े पैमाने पर प्रस्तावित संशोधन इसकी मूल भावना को कमजोर करेंगे।

भाजपा भाईचारे का वातावरण तोड़ना चाहती है : गौरव गोगोई

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि यह संविधान की मूल भावना पर आक्रमण करने वाला बिल है। उन्होंने कहा, आज एक विशेष समाज की जमीन पर सरकार की नजर है, कल समाज के दूसरे अल्पसंख्यकों की जमीन पर इनकी नजर जाएगी। संशोधन की जरूरत है। मैं यह नहीं कहता कि संशोधन नहीं होना चाहिए. संशोधन ऐसा होना चाहिए कि बिल ताकतवर बने इनके संशोधनों से समस्याएं और विवाद बढ़ेंगे। ये चाहते हैं कि देश के कोने-कोने में केस चले। उन्होंने आगे कहा, ये देश में भाईचारे का वातावरण तोड़ना चाहते हैं। बोर्ड राज्य सरकार की अनुमति से कुछ नियम बना सकते हैं, ये पूरी तरह से उसे हटाना चाहते हैं। राज्य सरकार की पावर खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। नियम बनाने की ताकत राज्य सरकार को है. राज्य सरकार सर्वे कमिश्नर के पक्ष में नियम बना सकती है. आप सब हटाना चाहते हैं और कह रहे हैं कि ये संशोधन हैं।

अमेरिकी टैरिफ को लेकर विपक्ष के निशाने पर मोदी सरकार

» सरकार को अपनी रीढ़ विकसित करने और अमेरिका के सामने खड़ा होने की जरूरत : मनीष तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने अमेरिकी सरकार द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाए जाने के बाद भाजपा नीत केंद्र सरकार की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि यह दोनों सरकारों के बीच चल रही वार्ता की पूर्ण को दर्शाता है। अपने हमलों को तेज करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि इस सरकार को अपनी रीढ़ विकसित करने और अमेरिका के सामने खड़ा होने की जरूरत है।

तिवारी ने कहा, यह अमेरिका और भारत सरकार के बीच चल रही वार्ता की पूर्ण विफलता को दर्शाता है। अमेरिका ने टैरिफ लगाया है, हमारे छात्रों को निष्कासित किया है और बिना किसी उकसावे के वीजा रद्द कर दिया है, और सरकार पूरी तरह चुप है... सरकार को हिम्मत दिखाने और अमेरिका के सामने खड़े होने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं : सुरजेवाला

कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने भी केंद्र की आलोचना की और मोदी सरकार से पारस्परिक शुल्क पर उनकी चुप्पी और निष्क्रियता पर

सवाल उठाया। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में सुरजेवाला ने कहा, भारत पर अमेरिका द्वारा लगाया गया 27प्रतिशत शुल्क बुधवार, 3 अप्रैल, 2025 से प्रभावी है! इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, फार्मास्यूटिकल्स, मशीनरी और कंप्यूटर, रसायन, परिधान, यार्न और कालीन, मछली, मांस और प्रसंस्कृत समुद्री भोजन, भगवान और आभूषण और कई अन्य क्षेत्र प्रभावित होंगे। मोदी सरकार कहाँ है? वित्त और वाणिज्य मंत्री कहाँ हैं? प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं? वे फिर से कार्रवाई में गायब क्यों हैं? ।

ट्रम्प ने भारत पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार (स्थानीय समय) को नए आयात शुल्क की घोषणा की, जिसमें दुनिया भर के देशों पर लगाए जाने

वाले दरों की रूपरेखा बताई गई, जिसमें भारत पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना महान मित्र बताते हुए ट्रम्प ने कहा कि भारत अमेरिका से 52 प्रतिशत शुल्क लेता है, जबकि हम उनसे लगभग कुछ भी शुल्क नहीं लेते हैं। ट्रम्प ने यह घोषणा मेक अमेरिका वेल्थी अगेन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए की।

ममता सरकार को 'सुप्रीम' झटका

» बंगाल में 25 हजार से ज्यादा स्कूल कर्मचारियों की रद्द हुई नौकरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के 25 हजार से ज्यादा शिक्षकों/स्कूल कर्मचारियों को नौकरी रद्द कर दी है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने इस बारे में पिछले साल आए हाई कोर्ट के फैसले को सही ठहराया है।

हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी. इसके अलावा भी इस मसले पर 120 से ज्यादा याचिकाएं दाखिल हुई थीं।

अप्रैल 2024 में दिए फैसले में हाई कोर्ट ने सभी नौकरियों को रद्द करते हुए इन लोगों से ब्याज समेत पूरा वेतन वसूलने के लिए भी कहा था। 25 हजार से ज्यादा भर्तियों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। अब सुप्रीम कोर्ट ने 3 महीने में

जो नौकरी कर रहे थे, उन्हें वेतन लौटाने की जरूरत नहीं : कोर्ट

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जो लोग नौकरी कर रहे थे, उन्हें वेतन लौटाने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 2016 में हुई पूरी नियुक्ति प्रक्रिया जोड़-तोड़ और धोखे से भरी थी। 2016 में स्टेट स्कूल सर्विस कमीशन के जरिए हुई भर्ती के लिए 23 लाख से ज्यादा लोगों ने परीक्षा दी थी।

नई भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि जो पिछले उम्मीदवार बेदाग थे, उन्हें नई भर्ती प्रक्रिया में कुछ रियायत दी जा सकती है।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन पर मंजूरी का प्रस्ताव पेश

» संसद में 40 मिनट की चर्चा के बाद मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 पर दिन भर चली मैराथन चर्चा के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा पर लोकसभा में एक वैधानिक प्रस्ताव पेश किया। यह चर्चा 12 घंटे से अधिक समय तक चली।

शाह ने गुरुवार को सुबह करीब 2 बजे वैधानिक प्रस्ताव पेश किया, जिसके बाद चर्चा हुई। सदन ने 40 मिनट की चर्चा के बाद ध्वनि मत से प्रस्ताव पारित कर दिया, जिसमें आठ विपक्षी सांसदों ने बात की और शाह ने जवाब दिया।

लखनऊ में रियल एस्टेट कंपनी का बड़ा कारनामा

» सैकड़ों कर्मचारियों का पैसा इन्वेस्टमेंट के नाम पर कंपनी ताला बंद करके हुई फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के विभूति खंड थाना क्षेत्र में रियल एस्टेट कंपनी का बड़ा कारनामा सामने आया है। इसमें सैकड़ों कर्मचारियों का पैसा इन्वेस्ट के नाम पर कंपनी ताला बंद करके फरार हो गई है। उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों के साथ अन्य राज्यों से आए कर्मचारियों ने कंपनी मुख्यालय का घेराव किया।

मौके पर पुलिस पहुंची। वहां पीड़ितों ने लिखित में शिकायत की है। टाइम सिटी मल्टी स्टेट क्रेडिट कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड एवं टाइम सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर और हाउसिंग लिमिटेड के नाम पर सैकड़ो का निवेश कराया गया। जब ग्राहक अपना पैसा लेने पहुंचे तो निवेशकों को कंपनी भुगतान नहीं दे रही है।

निवेशकों के घर पर लगा रहे हैं चक्कर

अब निवेशकों के जरिए निवेश करने वाले लोग निवेशकों के घर पर चक्कर लगा रहे हैं। कर्मचारी लगातार कंपनी में लगा रहे हैं। कंपनी के लोग कर्मचारियों को धमकी दे रहे है।

ये हैं आरोपी

कंपनी में अध्यक्ष दीपचंद शुक्ला, अरविंद कुमार पांडे डिप्टी डायरेक्टर,लोहरि डायरेक्टर , जीसी मौर्य डायरेक्टर, तृप्ति तिवारी डायरेक्टर और जेके तिवारी डायरेक्टर, इनके साथ और कई लोग मिलकर कंपनी के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपए ठगे।

कर्मचारियों को मिल रही धमकी

कंपनी के कर्मचारी जब आज कार्यालय पहुंचे ताला लगा मिला। कंपनी अब पैसा देने में टालमटोल कर रही है और धमकी भी दे रही है। कार्यकर्ता आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार पुलिस में शिकायत के बाद सरकार से लगाई गुहार है।

ये हैं पीड़ित

आलोक श्रीवास्तव, एजेंट, राजेंद्र यादव, संतोष तिवारी प्रेम मोहन मौर्य अजय सिंह, दिवाकर पांडे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।